Postal Regd. No. :
HP/115/SML/2020-22
< Postage Prepaid >

www.bakhabarconnect.com

शिमला | मंगलवार | 27 जुलाई - 2 अगस्त 2022

• वर्ष 8 • अंक 49 • पृष्ठ 4 • साप्ताहिक • मूल्य 1/-
आर.एन.आई. नं. एचपीएमयूएल / 2014/58822

] विचार »

हार मत मानो अगला
मौका जरूर आता है।

- मैरी कॉम

बाख़बर कनेक्ट

@bakhabarconnect

कार्रवाई, सरगोशी से शाया होने तक

मानव जाति का आगमन
2

राज्य ने पिछले 75 वर्षों में हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है : मुख्यमंत्री

निशा देवी
चम्बा . बाख़बर कनेक्ट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर चम्बा जिला के भटियात विधानसभा क्षेत्र के चुवाड़ी में हिमाचल प्रदेश के गठन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रगतिशील हिमाचल: स्थापना के 75 वर्ष (प्रोगेसिव हिमाचल: 75 ईयर्ज ऑफ फॉरमेशन) समारोह में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इन 75 वर्षों के दौरान हिमाचल प्रदेश न केवल पहाड़ी राज्यों बल्कि कई विकसित राज्यों के लिए भी देश के एक आदर्श राज्य के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने गत 75 वर्षों के दौरान विकास के सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि इसका श्रेय राज्य के मेहनती और समर्पित लोगों के अलावा प्रदेश में समय-समय पर प्रदान किए गए सक्षम नेतृत्व को जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के समय यहां केवल चार जिले थे, परन्तु आज राज्य में 12 जिले हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1948 में राज्य की साक्षरता दर सात प्रतिशत से थोड़ी अधिक थी, जबकि आज राज्य की साक्षरता दर 83 प्रतिशत से अधिक है। जय राम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य के लिए सड़कें विकास की जीवन रेखा हैं और राज्य की सरकारों ने सड़कों के निर्माण पर विशेष बल प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) की शुरुआत की थी और इस योजना के अन्तर्गत लगभग 50 प्रतिशत सड़कों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुरक्षित हाथों में है, जो एक वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र

शेष पृष्ठ दो पर

समाज सेवा करने वाले वास्तव में सम्मान के पात्र है : डॉ. सैजल

देवेन्द्र कश्यप
सोलन . बाख़बर कनेक्ट

स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं आयुष मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने ज़िला सोलन के नौणी में हिमाचल के एक प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र तथा डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के संयुक्त तत्वाधान में प्रतिभा सम्मान समारोह की अध्यक्षता की। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रतिभा सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को बधाई देते हुए कहा कि समाज सेवा करने वाले वास्तव में सम्मान के पात्र होते है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में वहीं लोग दर्ज होते है जिन्होंने भावी पीढ़ी के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने

शेष पृष्ठ दो पर

राज्यपाल ने शहीद विक्रम बतरा और सौरभ कालिया को श्रद्धांजलि दी

धर्मशाला : राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने अपने दो दिवसीय कांगड़ा जिला प्रवास के दौरान सौरभ वन विहार का दौरा किया और शहीद कैप्टन सौरभ कालिया की प्रतिमा पर फूलमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने सौरभ वन विहार में पालमपुर वन मंडल, जिला रेड क्रॉस और इन्नर व्हील क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वन महोत्सव का पीपल का पौधा रोपित कर शुभारम्भ किया।

महिलाओं के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध : सरवीन चौधरी

ललित कश्यप
धर्मशाला . बाख़बर कनेक्ट

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सरवीण चौधरी ने कहा कि महिलाओं का सामजिक, आर्थिक उत्थान तथा उन्हें विकास के समान अवसर प्रदान करना सरकार की उच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित बनाने के लिए महिला कल्याण व उत्थान योजनाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ अनेक नई योजनाएं चलाई गई हैं। सरवीण चौधरी मंगलवार को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नेरटी व दुर्गेला में महिला मंडलों को चेक वितरण करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बोल रहीं थीं। इस दौरान उन्होंने नेरटी व दुर्गेला में 16 महिला मंडलों को विधायक निधि 10-10 हजार के चेक देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में शाहपुर निर्वाचन क्षेत्र के समग्र विकास पर करोड़ों रूपये की राशि व्यय की जा रही है और यह विधान सभा क्षेत्र प्रदेश में एक विकास का आदर्श मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों के समाजिक एंव आर्थिक विकास के लिए कृतसंकल्प है तथा इस वर्ग की निर्धन बेटियों के विवाह के लिए प्रदेश सरकार द्वारा शगुन नामक योजना आरंभ की गई है।

एसजेवीएन ने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, गुजरात तथा महाराष्ट्र में उज्ज्वल भारत, उज्ज्वल भविष्य के अंतर्गत बिजली महोत्सव का आयोजन किया

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 25 जुलाई से 30 जुलाई 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में, उज्ज्वल भारत, उज्ज्वल भविष्य – विद्युत ञ्च 2047 के अंतर्गत सप्ताह भर चलने वाला बिजली महोत्सव मना रहा है। नन्द लाल शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन ने बताया कि एसजेवीएन हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब राज्यों के सभी 35 जिलों के 70 स्थानों के लिए नोडल एजेंसी है। इसके अतिरिक्त, एसजेवीएन हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार और गुजरात के 9 जिलों के 18 स्थानों पर बिजली महोत्सव का भी आयोजन कर रहा है।

एसजेवीएन ने उक्त समारोह का देश भर में कुल 15 स्थानों अर्थात हिमाचल प्रदेश के दो स्थानों, पंजाब के 10 स्थानों, गुजरात, हरियाणा और महाराष्ट्र में एक-एक स्थान पर आयोजन किया।

नन्द लाल शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन ने अवगत कराया कि सप्ताह भर चलने वाले इन समारोहों की श्रृंखला में, हिमाचल प्रदेश में, एसजेवीएन ने एचपीएसईबीएल और जिला प्रशासन के सहयोग से हिमाचल प्रदेश में दो स्थानों नामत- किन्नौर स्थित रिकांगपीओ और मंडी स्थित सुंदरनगर में बिजली महोत्सव का आयोजन किया। इसी प्रकार, पंजाब में, एसजेवीएन ने बीईई, बीबीएमबी, पीएसपीसीएल और पंजाब के जिला प्रशासन के साथ अमृतसर, मोहाली, होशियारपुर, जालंधर, पठानकोट, भटिंडा, फाजिल्का, मलेरकोटला, मोगा, तरनतारन नामक दस स्थानों पर बिजली महोत्सव का आयोजन किया। अमृतसर में आयोजित समारोह में विद्युत मंत्री (पंजाब), हरभजन सिंह ने समारोह की शोभा बढ़ाई। मोहाली में पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री, पंजाब अनमोल गगन मान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे।

गुजरात में, एसजेवीएन ने जिला प्रशासन, पटड़ी, सुरेंद्रनगर के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया तथा माननीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, गुजरात किरीट सिंह राणा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

हरियाणा में ग्राम भोदवा माजरी, पानीपत में एसजेवीएन द्वारा जिला प्रशासन के साथ और महाराष्ट्र के अहमदनगर शहर में एसजेवीएन और जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नन्द लाल शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन ने आगे अवगत कराया कि बिजली महोत्सव प्रत्येक जिले में दो स्थानों (1556 स्थान) के साथ देश के सभी 773 जिलों में मनाया जा रहा है। भारत की जनता को समर्पित यह आयोजन

शेष पृष्ठ दो पर

. बाख़बर कनेक्ट .

[सम्पादकीय]

एनएसएफडीसी की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय अनुसूचित जातियों के विकास की अनेक योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम (एनएसएफडीसी) लक्षित समूह के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। यह निगम राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है और अनुसूचित जाति के उद्यमियों को अपना कारोबार शुरू करने के लिए 30 हजार रूपये से 30 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। (एनएसएफडीसी) कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भी शत प्रतिशत अनुदान मुहैया करता है और छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण भी उपलब्ध कराता है।

इस निगम ने पिछले 24 वर्षों में 8.50 लाख से अधिक लाभार्थियों को 2500 करोड़ रूपये से अधिक के ऋण प्रदान करके सहायता की है। विश्व के तेजी से बदलते हुए परिदृश्य में कारोबार शुरू करने के लिए मात्र वित्तीय सहायता देकर लोगों का अधिकारिता नहीं किया जा सकता, उसके लिए विकास के सभी क्षेत्रों में कमजोर वर्गों का समायोजन भी होना चाहिए। स्व-रोजगार उद्यम शुरू करने या नौकरी प्राप्त करने के लिए अच्छी शिक्षा का होना एक सर्वाधिक आवश्यकता है। आज के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने और रोजगारोन्मुख कौशल प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है।

सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय लक्षित समूह को मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्तियां और उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय पार-देशीय छात्रवृत्ति देकर सहायता करता है। वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त करना बड़ा खर्चीला हो गया है, खासकर यदि किसी युवक को अपने घर से दूर छात्रावासों (हॉस्टल) में रहकर अध्ययन करना हो। उसके लिए छात्रवृत्ति की राशि और वास्तविक खर्चे के बीच के अंतर को पूरा करने की आवश्यकता है एनएसएफडीसी इस आवश्यकता हो पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एनएसएफडीसी ऐसे प्रशिक्षार्थियों को अन्य खर्चे पूरे करने के लिए 1500 रूपये प्रतिमाह वजीफा भी दे रहा है। सभी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के ग्रामीण, शहरी और अर्द्ध-शहरी युवाओं के बीच की खाई को पाटने के भी प्रयास किये जाने चाहिए। समय की आवश्यकता है कि अनुसूचित जाति के लोगों के आर्थिक विकास के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए बेहतर दृष्टिकोण और तरीके अपनाये जाने चाहिए।

॥ प्रथम पृष्ठ के शेष >

राज्य ने . . .

मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत अपने पुराने गौरव और सम्मान को फिर से हासिल करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेतृत्व में देश कोविड महामारी की कठिन परिस्थिति से सफलतापूर्वक उभरा है और इसका सारा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा समय पर तैयार किए गए स्वदेशी टीके को जाता है।

समाज सेवा . . .

कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में पुनित कार्य करने वाले व्यक्तियों को बढ़ावा मिलता है तथा अन्य व्यक्तियों को बेहतर कार्य करने के लिए अनुप्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति समाज के हित के लिए कार्य करते है उनकी एक अलग पहचान बनती है।

एसजेवीएन ने . . .

देश की पूर्व उपलब्धियों और भविष्य की आकांक्षाओं के 75 वर्षों का महोत्सव है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व के तहत गत आठ वर्षों से विद्युत क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास को प्रदर्शित कर रहा है। विद्युत क्षेत्र की उपलब्धियों को प्रचारित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग का भी आयोजन किया गया। शर्मा ने बताया कि एसजेवीएन इस राष्ट्रीय अभियान के सुचारू एवं सफल आयोजन को सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास कर रहा है। नन्द लाल शर्मा ने कहा कि सप्ताह भर चलने वाले इस बिजली महोत्सव का ग्रैंड फिनाले दिनांक 30 जुलाई 2022 को उज्ज्वल दिवस के रूप में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के साथ राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाएगा। इस आयोजन में, दस चिन्हित जिलों से विद्युत क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी प्रधानमंत्री से वर्चुअली संवाद करेंगे।

मानव जाति का आगमन

प्रेमकुमार मणि

यह कल्पना करना ही अजीब लगता है कि विभिन्न किस्म के जीवों के धरती पर आ जाने के बाद भी लम्बे समय तक मानव जाति का प्रादुर्भाव इस धरती पर नहीं हुआ था। हम मनुष्य इस धरा पर बहुत लम्बे समय से नहीं हैं। पृथ्वी के जन्म-काल से देखें तो हम अत्यंत ही कम समय से इस धरती पर रह रहे हैं। बस कोई दो या ढाई लाख वर्ष या उससे भी कम समय पूर्व से। सभ्य रूप में तो महज कुछ हजार वर्षों का हमारा इतिहास है। एक चीज है कि पूरी दुनिया की ही तरह हम भी लगातार बदलते, परिवर्तित होते रहे हैं। आज भी हम लगातार बदलते जा रहे हैं। परिवर्तन का स्पष्ट दिखलाई देने वाला रूप कुछ समय बाद नजर आता है। और तब हमारा एक अन्य रूप चिन्हित किया जाता है।

स्वयं मानव जाति का इतिहास किसी भी चीज के इतिहास से कहीं ज्यादा दिलचस्प है। जैसा कि मैंने पहले बतलाया है, सृष्टि सम्बन्धी हमारी विशिष्ट वैज्ञानिक जानकारियां सौ-दो वर्षों की ही है। मैंने महान वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन की भी थोड़ी-सी चर्चा की थी कि उनकी खोज-पूर्ण किताब 'ओरिजिन ऑफ़ स्पीसीज' ने कैसे जेनेसिस सम्बन्धी हमारी रूढ़ धारणाओं को बदला। डार्विन की दूसरी किताब 'डिसेंट ऑफ़ मैन', जो 1871 ने प्रकाशित हुई थी, ने मानव जाति के प्रादुर्भाव का एक अस्पष्ट ही सही खाका प्रस्तुत किया। उनने महावानरों की किसी प्रजाति को मानव जाति का पूर्वज बतलाया, यानी वैसी-ही किसी प्रजाति का विकसित रूप आज का मानव समाज है। इसे लेकर लम्बी बहस हुई। इसके मजाक भी उड़ाए गए। लेकिन एक नए बहस का आरम्भ तो हो ही गया। डार्विन के ज़माने तक संसार के भिन्न क्षेत्रों में महावानरों और मानवजाति के कुछ प्राचीन कंकाल मिले थे। लेकिन उन पर अपेक्षित अनुसंधान तब तक संभव नहीं हो सका, जब तक डार्विन की जीवों के विकास सम्बन्धी एक सुचिंतित और बहुत कुछ तथ्यपूर्ण परिकल्पना नहीं आ गयी। डार्विन के अनुसंधानों और निष्कर्षों की रौशनी में एंथ्रोपोलॉजी (मानव-शास्त्र)से जुड़े विद्वानों ने जब कार्य आरम्भ किया, तब अनेक रहस्योद्घाटन हुए। मसलन हमें क्रमिक विकास के वे तमाम लिंक मिले, जिनका डार्विन ने केवल अनुमान किया था।

विकसित मानव को होमो सेपियन्स कहा जाता है। बीसवीं सदी के तीसरे दशक से उन्हें होमो सेपियन्स-सेपियन्स कहा जाने लगा। यानी आधुनिक मानव। होमो लैटिन जुबान का शब्द है, जिसका अर्थ है, मानव। यह स्त्री-पुरुष दोनों के लिए प्रयुक्त होता है। सेपियन्स का अर्थ है बुद्धिमान। अर्थात आज का मानव बुद्धिमान है। हालांकि स्वयं को बुद्धिमान घोषित करना शायद ही बुद्धिमान का कार्य कहा जायेगा! दो बार सेपियन्स प्रयोग का मतलब अधिक बुद्धिमान बतलाना है। जीव-विज्ञान में किसी प्राणी विशेष के नाम को एक खास विधि से लिखने का प्रचलन है। इसकी शुरुआत एक स्वीडिश जीव-वैज्ञानिक कार्ल लीनियस (1707 -1778) ने की थी। उसने कुल का नाम पहले और प्रजाति का नाम बाद में रख कर लिखे जाने का रिवाज आरम्भ किया। होमो यानी मानव वंश। और कैसा मानव वंश? तो बुद्धिमान, अर्थात सेपियन्स। इस तरह मानव जाति का जूलॉजिकल नाम होमो सेपियन्स हो गया।

यह होमो सेपियन्स अचानक नहीं आ गया था। इसके क्रमिक विकास की भी कहानी है। जैसा कि मैंने पहले ही बतलाया है मनुष्य स्तनधारी जीव समूह से आता है। मेरुदंड यानी रीढ़ धारण करने वाले प्राणी परिवारों पीसेस (मछली), एम्फीबिया (उभयजीवी), रेप्टाइल (सरीसृप)और एव्स(पक्षी) के विकास-क्रम में मैमल (स्तनधारी) परिवार समूह आता है। इसी परिवार का एक प्राणी-समूह वानर है। अनुमान से कोई बीस लाख वर्ष पूर्व यह धरती वानरों से भरी होगी। तब कौन अनुमान कर सकता था कि इनके वंशजों में से एक की संततियां एक समय पूरी दुनिया को अपनी मुट्ठी में ले लेंगी। वानर से मिलते-जुलते किसी प्राणी का मानव में विकास का ब्यौरा कितना रोमांचक हो सकता है, इसका अनुमान कोई भी लगा सकता है। हम इस ओर केवल जिज्ञासा ही विकसित करना चाहेंगे। पूरे ब्योरे के लिए इस विषय पर अधिकृत किताब का अध्ययन ही मुनासिब होगा। हम केवल यह देखें कि यह सब कुछ हुआ कैसे? वानरों में दो वर्गीकरण तो किया ही जा सकता है। छोटे और बड़े वानरों के वर्ग। सुविधा के लिए हम इन दोनों समूहों को हीन-वानर और महा-वानर कह सकते हैं। हीन वानरों में गिबन और सियामंग जैसे लघुकाय वानर आएंगे और महा-वानरों के समूह में चिम्पांजी, गोरिल्ला, ओरंगउटान के साथ यह होमो या इनके पूर्वज भी थे। इनके दिन-प्रति दिन के व्यवहार अन्य वानर-समूहों से अधिक भिन्न नहीं रहे होंगे। ये पेड़ों पर चढ़ सकते होंगे, पर्याप्त उछल-कूद, धमा-चौकड़ी मचाते रहे होंगे। विपरीत लिंगियों को रिझाने के लिए कुछ प्रयत्न करते होंगे। प्रजनन और बच्चों को को पालने आदि में धीरे-धीरे कुछ नियम-कायदे बनाते रहे होंगे। प्रकृति से, विशेष कर उसकी आपदाओं से लड़ने के लिए कुछ उपाय भी सोचते रहे होंगे और कुछ उपायों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजना और सिखला देना भी सीख लिया होगा। लेकिन ये चिम्पांजियों, गुरिल्लाओं और ओरंगउटानों से बहुत बातों में मिलते-जुलते भी थे। लेकिन होमो कुल के जीव दो पैरों पर खड़ा हो सकते और चल सकते थे। यह सब अनुमान से धीमी गति से हुआ और इसलिए यह सब लाखों वर्षों तक चलता रहा। जेनेटिक्स के विकास ने मानवशास्त्रीय अध्ययन में बहुत सहयोग दिया। सूक्ष्म जीव-विज्ञान का एक विशेष प्रभाग है जेनेटिक्स। इसके अध्ययन की शुरुआत एक स्कूल शिक्षक और पादरी जोहान्न ग्रेगोर मेंडेल (1823 -1884) ने की थी। उसने यह बतलाया कि प्राणियों में पाए जाने वाले कुछ गुणसूत्र (जीन) उसके अर्जित गुणों को अगली पीढ़ियों में पहुंचाते हैं। गुणसूत्रों के कुछ खास चरित्र और नियम होते हैं, जिनका पालन प्रकृति में सूक्ष्मता के साथ होता है।

क्रमशः

साभार : फॉरवर्ड प्रेस डॉट इन

Himachal Pradesh Public Works Department
NOTICE INVITING TENDER

The Executive Engineer, Electrical Division, HP.PWD, Mandi H.P on behalf of Governor of H.P invites the item rate bids, in electronic tendering system for the following works from HPPWD Electrical contractors enlisted in appropriate class as detailed in the table

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost	Date of publishing online and Starting date for downloading bid	Earnest Money	Deadline for submission of bid
1	Construction of Additional Accommodation to Rest House Gadagusain Tehsil Banjar, District Kullu (SH: Providing E.I therein)	Rs. 2344834/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 42700/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
2	Construction of Indoor Stadium at Government degree College at Bassa Gohar District Mandi HP (SH: Providing EI therein)	Rs. 2608374/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 46650/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
3	Construction of Combined office building at Karsog Distt Mandi H.P (SH:- Providing E.I. there in)	Rs. 4626332/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 76900/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
4	Replacement of old damaged electrical equipments in Auditorium of Government polytechnic at Sunder Nagar District Mandi	Rs. 852483/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 17100/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
5	Construction of PHC Building level III at Parwara Chachiot District Mandi HP (SH: Providing E.I therein)	Rs. 771347/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 15450/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
6	Construction of Additional Accommodation to Inspection Hut Rest house at Dehar Tehsil Sunder Nagar District Mandi (SH: Providing E.I therein)	Rs. 665513/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 13350/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
7	Construction of Soil Testing Lab at Keylong, District Lahual and Spiti HP (SH: Providing E.I therein)	Rs. 714777/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 14300/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
8	Construction of Employees Hostel Building at Keylong, District Lahual and Spiti HP (SH: Providing E.I therein)	Rs. 886172/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 17750/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
9	Construction of PHC Building at Tindi, District Lahual and Spiti HP (SH: Providing E.I therein)	Rs. 650447/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 13000/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
10	Construction of Additional Accommodation at HPPWD Rest House Banerdi Tehsil Dharmpur District Mandi HP (SH: Providing E.I therein)	Rs. 527329/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 10550/-	18.08.2022 at 10.00 A.M
11	Construction of Science lab at Government Senior Secondary School at Pairi, District Mandi HP (SH: Providing E.I therein)	Rs. 691137/-	10.08.2022 at 10.00 A.M	Rs. 13850/-	18.08.2022 at 10.00 A.M

The tenders will be opened on 18.08.2022 at 11.00 A.M (Technical bid followed by financial bid) The bidders are advised to note other details of e-tenders and Technical Qualification Criteria from the department website www.hptenders.gov.in.

Executive Engineer Electrical Division, HP-PWD, Mandi HP 175001 On behalf of Governor of Himachal Pradesh

R.O. No. 2834/22-23 ***HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK***

Welfare schemes of Double engine government proving beneficial for Himachal

The state government has implemented various new welfare schemes with a view to uplift every section of the society. Focused on the elderly, youth and women these schemes not only strengthen their socio-economic status but also bring positive change in their lives. HIMCARE, Mukhya Mantri Grihini Suvidha Yojana (MMGSY), Mukhya Mantri Sahara Yojana and Mukhya Mantri Swavalamban Yojana (MMSY) are proving beneficial for the people of the state.

4.53 lakh people benefitted under Ayushman Bharat and HIMCARE

For the free treatment of the people, 4 lakh 31 thousand families of the state are registered under Ayushman Bharat, a comprehensive health insurance scheme launched by the Government of India. So far, 1 lakh 45 thousand patients have been given free treatment under the scheme, on which Rs. 178 crore has been spent.

The state government with the vision to increase the ambit of health care in the state has started HIMCARE yojana so that even those people of the state who could not join the Ayushman Bharat scheme could be benefitted. Under this scheme 6 lakh 18 thousand families are registered in Himachal. So far 3 lakh 8 thousand patients have been given free treatment under HIMCARE and 285 crore have been spent on this. The double engine government has spent about Rs. 463 crore on free treatment of 4.5 lakh people through these two schemes.

More than 20 thousand are getting the benefit of CM Sahara Yojana

The state government has implemented Mukhya Mantri Sahara Yojana, first scheme of its kind in the entire country which intends to help the needy who have become dependent on others due to serious illness. At present by spending an amount of about Rs. 80 crore, 20 thousand needy people in Himachal are being provided 3 thousand rupees every month.

Rs. 159 crore spent on domestic gas connection

Himachal government is determined for women empowerment. Taking care of the health of women and to keep them safe from diseases caused by smoke of traditional wood fired stoves like asthma and eye diseases, etc., and providing them with environment friendly alternative the central government has started Pradhan Mantri Ujjwala Yojana, through which free domestic gas connections were distributed to women. Under this scheme, 1 lakh 37 thousand gas connections were distributed in Himachal, on which Rs. 28.15 crore has been spent.

While universalizing this scheme of the central government, the state government implemented the Mukhya Mantri Grihini Suvidha Yojana to provide free domestic gas connections to the poor families who could not get the benefit of Ujjwala scheme. Under the scheme, 3 lakh 32 thousand domestic gas connections were distributed, on which Rs. 130 crore has been spent. Presently Himachal has become the first state in the country where every household has a domestic gas connection. The government of double engine has provided free gas connection from door to door by spending more than Rs. 159 crore in this. In this way Himachal is also the first stove smoke free state of the country.

More than 11 thousand got employment under MMSY

The main objective of Mukhya Mantri Swavalamban Yojana is to promote self-employment in the state. Through this scheme, unemployed youth of the state are getting encouraged to set up self-employment and are becoming self-reliant and self-reliant. Through this scheme, the state government is providing 25 to 35 percent subsidy to eligible youth on investment of up to one crore rupees. A total investment of Rs. 721 crore was made under the scheme. Under this scheme, a gratuity amount of Rs. 200 crore was provided by the government. A total of 4377 units were approved in this, out of which 11 thousand 674 people have got employment.

More than 17 crore Shagun on daughters marriage

Mukhya Mantri Shagun Yojana has been started for the first time in the state to provide financial assistance on the marriage of daughters of BPL families. On the marriage of a daughter belonging to BPL family, financial assistance of Rs. 31 thousand is given by the government as Shagun. So far, financial assistance has been given to the marriage of 5 thousand 621 daughters under this scheme. Rs. 17.42 crore has been spent on the scheme.

In this way, with the spirit of Sarvajan Hitay-Sarvajan Sukhay, the State Government is constantly implementing new schemes for the welfare of all the people of the state, from which all sections of the society are getting benefitted.

وہ سیارہ جہاں پتھروں کی بارش ہوتی ہے اور لاوا کے سمندر بنتے ہیں

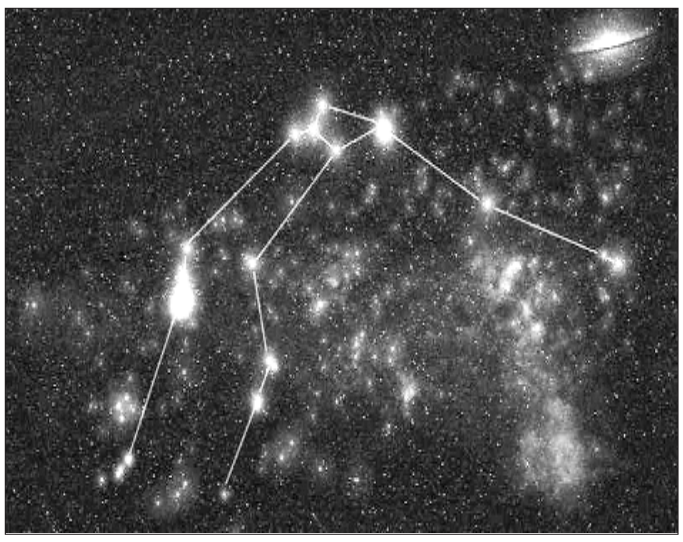

کے 2۔141 بی نامی سیارے پر پتھروں کی بارش ہوتی ہے، لاوے کے سمندر ایک کلومیٹر گہرے ہیں اور ہوا وہاں آواز کی رفتار سے چار گنا تیز چلتی ہے۔

ماہر فلکیات ٹیوجیان نیوجن نے بی بی سی کو بتایا کہ 'یہ بہت دلچسپ سیارہ ہے جہاں انتہائی شدید موسم ہے، معدنیات کی بارش ہوتی ہے، برف پڑتی ہے اور آواز سے تیز ہوا چلتی ہے۔'

ان کے ساتھی پروفیسر نکولاس کوون کہتے ہیں 'یہ رہنے کے لیے اچھی جگہ نہیں مگر اس کا مطالعہ کرنے میں بہت مزہ آتا ہے۔'

کینیڈا اور انڈیا کے ماہرینِ فلکیات کی ایک ٹیم نے کے 2۔141 بی نامی اس سیارے کے بارے میں ایک نئی تحقیق شائع کی ہے۔ یہ ایک پتھریلا سیارہ ہے جو کہ ہماری زمین جیسا ہے۔

'لاوا سیارے پر خوش آمدید'

کے 2۔141 بی نامی سیارہ ہم سے 202 نوری سال دور ہے اور یہ ایکوریئس نامی کانسٹیلیشن میں موجود ہے۔

یہ تباہ کن سیارہ اس قدر تیزی سے اپنے سٹار یعنی جیسے سورج کے گرد گھومتا ہے کہ اس کا ایک سال سات گھنٹوں میں مکمل ہو جاتا ہے۔

یہ سٹار ایک اورنج ڈوارف ہے یعنی سورج کے مقابلے میں اس پر درجہ حرارت کافی کم ہے اور یہ اس قدر مدہم ہے کہ اسے زمین سے دیکھا نہیں جا سکتا۔

کلکتہ میں انڈین انسٹیٹیوٹ آف ٹیکنالوجی، کینیڈا میں یارک یونیورسٹی اور مکگل یونیورسٹی کے سائنسدانوں کا کہنا ہے کہ یہ ایک لاوا سیارہ ہے۔

یہ ایک سپر ارتھ بھی ہے کیونکہ اگرچہ اس کا حجم ہماری زمین سے زیادہ بڑا نہیں ہے تاہم اس کا ماس ہماری زمین سے پانچ گنا زیادہ ہے۔ اسی لیے اس سیارے کی کششِ ثقل زمین سے پانچ گنا زیادہ ہے۔

اگرچہ کے 2۔141 بی 2018 میں دریافت کیا گیا تھا تاہم محققین اب جا کر اس کی خصوصیات کے بارے میں پتا چلا سکے ہیں۔

تو موسم کیسا ہے؟

اگرچہ کے 2۔141 بی چند گھنٹوں میں ہی اپنے سٹار کے گرد گھوم لیتا ہے مگر زمین کی طرح اپنے مدار کے گرد نہیں گھومتا۔

اس کا مطلب یہ ہے کہ سیارے کا وہ دو تہائی حصہ جو ہمیشہ اپنے سٹار کی سمت پر رہتا ہے وہاں ہمیشہ دن رہتا ہے اور وہاں درجہ حرارت 3000 ڈگری سنٹی گریڈ تک پہنچ جاتا ہے۔ جبکہ کچھ حصوں میں ہمیشہ رات رہتی ہے اور وہاں درجہ حرارت منفی 200 ڈگری تک گر جاتا ہے۔

اس قدر مختلف موسمی حالات کی وجہ سے ماہرینِ فلکیات یہاں پر پتھریلی بارش کے بارے میں دعوی کرتے ہیں۔ ایک لمحے کو زمین پر پانی کے سائیکل کا سوچیں۔

زمین پر پانی بخارات بن کر فضا میں جاتا ہے جہاں اس کے بادل بن جاتے ہیں۔ بارش سے جھیلیں اور دریا دوبارہ بھرتے ہیں اور یہی عمل دہرایا جاتا ہے۔

کے 2۔141 بی پر بھی یہی ہوتا ہے مگر پتھروں کے ساتھ!

'عجیب اور دلچسپ'

محققین کا کہنا ہے کہ 'ہمیں یہ ذہن میں رکھنا ہوگا کہ اس سیارے پر ہر چیز پتھر کی بنی ہوئی ہے۔ دن والے حصوں میں گرمی اس قدر زیادہ ہوتی ہے کہ پتھر بخارات میں تبدیل ہو جاتے ہیں۔ یہ عجیب بات ہے مگر دلچسپ بھی ہے۔

مگر دوسری طرف سردی اس قدر زیادہ ہے کہ اس طرف فضا ہے ہی نہیں۔ اور ہر چیز جم کر ٹھوس بن جاتی ہے۔'

محققین کا کہنا ہے کہ سیارے کی گرم اور ٹھنڈی اطراف کی وجہ سے اس سیارے پر آواز کی رفتار سے تیز چلنے والی ہوائیں بھی چلتی ہیں۔ اور کبھی کبھی وہ 5000 میل فی گھنٹہ تک پہنچ جاتی ہیں۔

پروفیسر کوون کا کہنا ہے کہ یہ ہوائیں تیزی سے پتھر کے بخارات کو ٹھنڈی طرف لے جاتی ہیں اور پتھر کے قطرات بننے لگتے ہیں۔

ان کا مزید کہنا ہے کہ 'آپ کے پاس پھر پتھروں کی بارش ہوتی ہے اور نیچے لاوا کا سمندر ہوتا ہے۔'

یہ سب بہت دلچسپ ہے مگر اس سے ہمارا کیا تعلق؟

پروفیسر نیوجن کہتے ہیں کہ کے 2۔141 بی پر تحقیق کرنے سے ہم اپنی زمین کی ابتدا کے بارے میں جان سکتے ہیں۔

پروفیسر کوون کہتے ہیں 'لاوا سیارے ہمیں سیاراتی ارتقا کی اہم سٹیج کے بارے میں بتاتے ہیں۔ زمین سمیت تمام پتھریلے سیارے پگھلنے والی دنیا کے طور پر شروع ہوئے تھے۔'

سورس : بی بی سی اردو

Himachal Pradesh Public Works Department

NOTICE INVITING TENDER

Sealed item rate tender on the prescribed form, terms and conditions mentioned in form-6&8 are hereby invited for the following works by the Executive Engineer, Electrical Division No.II,HPPWD Shimla-171 003 from the firms/contractors enlisted with PWD(Electrical), so as to reach in the office of the XEN (1)Tender documents consisting of plans classes of work to be done and set of terms and conditions of contract to be complied with by the contractor/firms whose tender may be accepted and other necessary documents can be seen in the office of the XEN between hours of 11.00 AM to 4.00 PM except on Sundays and public holidays. (2) The firm /contractor who are not registered under H.P.General Sale tax Act,1968 and have not cleared all the dues on account of sale tax shall not be issued the tender documents(3) The contractor who has no registration certificate with Excise and taxation department of HP will not be issued the tender documents (4) Tenders placed in sealed envelope with name of work and due date written on the envelope will be received by the XEN and will be opened by him or his authorized representative in his office in the presence of contractors, present if any. (5)The earnest money in the shape of NSC/Time deposit account /saving account in any of the post offices of HP duly pledged in favour of XEN must accompany with the tender in the separate envelope. The tenders without earnest money will summarily be rejected. (6)) In case of holiday, the tenders shall be sold/received and opened on the next working day.(7)Tenders of contractors who quote two or more than two rates for any item of work shall be rejected. (8) The competent authority on behalf of Governor of H.P reserves the right to reject any or all the tenders received without assigning any reason. (9) Tender forms shall be sold to only those contractors who deposit earnest money in any of the prescribed modes simultaneously at the time of sale of tender documents.

(i)	Last date of receipt of application:	10.08.2022	Up to 1.00 P.M
(ii)	Date of sale of tenders	10.08.2022	Up to 2 PM to 5.00 PM
(iii)	Last date of receipt of bids: -	12.08.2022	Up to 10.30 A.M
(iv)	Date of bid opening: -	12.08.2022	AT 11.30 A.M

Work No. (1) C/O ware house building at R/Peo Distt.Kinnaur (SH: Providing fire alarm system therein) Estimated cost Rs.4,95,300/-Earnest money Rs.10000/- Time:6 months. Cost of form Rs.350/NR

Work No. (2) C/O ware house building at R/Peo Distt.Kinnaur (SH: Prov.vedio management system in GF and outside therein) Estimated cost Rs.4,98,200/- Earnest money Rs.9900/-Time: 6 months. Cost of form Rs.350/NR

Work No. (3) C/O ware house building at R/Peo Distt.Kinnaur (HP) (SH: Prov.video management system in FF and Second floor) Estimated cost Rs.4,95,800/- Earnest money Rs.10000/-Time: 6 months.. Cost of form Rs.350/NR

Work No. (4) Prov.LT panel for distribution of cables to block-E HAVC block-C and central heating plant block-C at IGMC Shimla. Estimated cost Rs.4,95,774/- Earnest money Rs.10000/-Time: 6 months .Cost of form Rs.350/NR

Work No. (5) Providing un-interrupted power supply to NBN ward at Kamla Nehru state hospital for mother and child at Shimla. Estimated cost Rs.4,80,200/- Earnest money Rs.9800/-Time:6 months. Cost of form Rs.350/NR

Work No.(6) Providing rewiring to EI in Dr.Resd.(SF)at PHC (now CHC) at Arsu Tehsil Nirmand Distt.Kullu(HP)Estimated cost Rs.1,80,926/-Earnest money rs.3700/-Time:6 months. Cost of form Rs.350/NR

Executive Engineer, Elect.Divn No II HPPWD Shimla-2

R.O. No. 2781/22-23 ***HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK***

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक **हेमराज हरनोट** द्वारा वायलट हिल, जाखू, शिमला-1 से प्रकाशित एवं **दुर्गा पेपर कन्वर्टरज़,** कांशी भवन, तारादेवी, शिमला-10, जिला शिमला (हि.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : **हेमराज हरनोट।**
बाख़बर कनेक्ट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 094185-88654, email: bakhabarconnect@gmail.com, Post Box No. 86, Shimla-1, H.P.

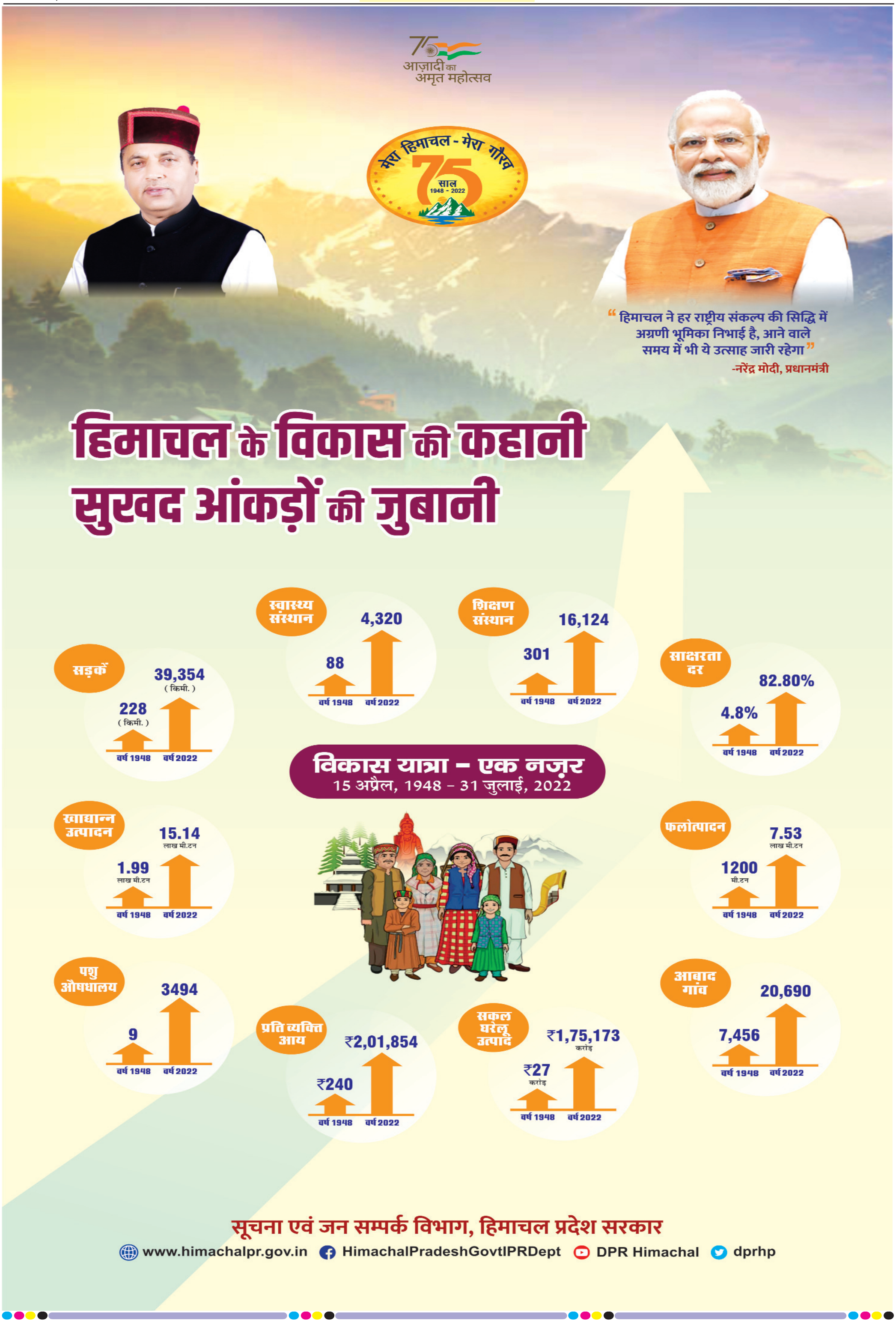

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मेरा हिमाचल - मेरा गौरव 75 साल 1948 - 2022

" हिमाचल ने हर राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि में अग्रणी भूमिका निभाई है, आने वाले समय में भी ये उत्साह जारी रहेगा "

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हिमाचल के विकास की कहानी सुखद आंकड़ों की ज़ुबानी

विकास यात्रा - एक नज़र

15 अप्रैल, 1948 - 31 जुलाई, 2022

	वर्ष 1948	वर्ष 2022
सड़कें	228 (किमी.)	39,354 (किमी.)
स्वास्थ्य संस्थान	88	4,320
शिक्षण संस्थान	301	16,124
साक्षरता दर	4.8%	82.80%
खाद्यान्न उत्पादन	1.99 लाख मी.टन	15.14 लाख मी.टन
फलोत्पादन	1200 मी.टन	7.53 लाख मी.टन
पशु औषधालय	9	3494
प्रति व्यक्ति आय	₹240	₹2,01,854
सकल घरेलू उत्पाद	₹27 करोड़	₹1,75,173 करोड़
आबाद गांव	7,456	20,690

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार

www.himachalpr.gov.in HimachalPradeshGovtIPRDept DPR Himachal dprhp